S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य– अक्टूबर, 2026

M.A. I Semester, Hindi

प्रथम प्रश्न–पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल एवं भक्तिकाल)

पूर्णांकः 30

नोटः प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्न है। विद्यार्थियों को तीन प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

इकाई–1 10

प्रश्न–1 : आदिकालीन साहित्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए?

प्रश्न–2 : रासो काव्य एवं जैन रास काव्य परम्परा के बारे में बताते हुए, किन्हीं तीन रासो काव्य का विवेचन कीजिए?

इकाई–2 10

प्रश्न–3 : संत काव्य की विशेषताओं का विवेचन करते हुए, कबीर, नानक और रैदास का विवेचन कीजिए?

प्रश्न–4 : सूफी काव्य की प्रवृत्तियों का विवेचन करते हुए किसी एक सूफी काव्य ग्रंथ का विवेचन कीजिए?

इकाई–3 10

प्रश्न–5 : कृष्ण काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए?

प्रश्न–6 : रामकाव्य की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए?

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर–2026

कक्षाः M.A. -I Semester

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी गद्य–I (हिन्दो उपन्यास एवं निबन्ध)

पूर्णांकः 30

नोटः प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्न है। विद्यार्थियों को तीन प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क 10

प्रश्न–1 : निम्नलिखित अवतरण की व्याख्या कीजिए।

"तू जो बात नही समझती, उसमें टांग क्यों अड़ाती है भाई ? मेरी लाठी दे दे और अपना काम देख । यह इसी मिलते–जुलते रहने का परसाद है कि अब तक जान बची हुई है। नही कही पता न लगता कि किधर गये ? गांव में इतने आदमी तो है, किस पर बेदखली नही आयी किस पर कुड़की नही आई । जबतक दूसरे के पांवों तले अपनी गर्दन दबी हुई है, तो उन पावों को सहलाने में ही कुशल है"।

प्रश्न–2 : गोदान उपन्यास के प्रमुख पात्र होरी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : समय–सरगम उपन्यास का औपन्यासिक तत्वों के आधार पर वर्णन कीजिए।

प्रश्न–4 : समय–सरगम उपन्यास दो पीढियों के अन्तराल का आख्यान है, स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबन्ध की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न–6 : 'उत्तराफाल्गुनी के आस–पास' निबन्ध मे व्यवत लेखक के विचारों स्पष्ट कीजिए।

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर–2026
एम.ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र : प्राचीन काव्य

पूर्णांकः 30

नोटः प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्न है। विद्यार्थियों को तीन प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क 10

प्रश्न–1 : निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

चालियउ उलगाणउ कातिग मास।
छोडिया मन्दिर घर कविलास।
छोड़ीया चउबारा चउषंड।
तढइ पंथि सिरि नयण गमाइया रोइ।
भूष गइ त्रिस ऊचटी।
कहि न सषीय नींद किसी परि होई।।

प्रश्न–2 : 'बीसलदेव रासो' की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट कीजिए कि यह एक विरह काव्य है।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि विद्यापति प्रेम और श्रृंगार के कवि है।

प्रश्न–4 : विद्यापति के काव्य–सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : 'ढोला मारू रा दूहा' के काव्य–सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–6 : "ढोला मारू रा दूहा में वियोग और श्रृंगार का अद्भुत संयोजन है।" कथन की विवेचना कीजिए।

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर–2026
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, हिन्दी साहित्य–तृतीय प्रश्न–पत्र
काव्यशास्त्र–I (भारतीय)

पूर्णांकः 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड से 1 प्रश्न)। प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क 10

प्रश्न–1 : खण्ड काव्य की परिभाषा देते हुए, उसके लक्षणों (विशेषताओं) पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–2 : गीतिकाव्य की परिभाषा देते हुए, उसके लक्षणों (विशेषताओं) पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न–4 : कहानी के तत्त्वों पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : 'रस' की परिभाषा देते हुए, 'शृंगार' एवं 'वीर' रस को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न–6 : 'अलंकार' की परिभाषा देते हुए, काव्य में अलंकारों की उपयोगिता बताइए।

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर–2026

कक्षा: M.A. -III Semester

प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी–III (हिन्दी नाटक)

पूर्णांक: 30

नोट: प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्न है। विद्यार्थियों को तीन प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क 10

प्रश्न–1 : महंत : बच्चा। नारायणदास ने मुझसे कहा था कि यहाँ सब चीज टके सेर मिलती है, मैंने इसकी बात का विश्वास नहीं किया। बच्चा, यह कौन–सी नगरी है और इसका कौनसा राजा है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा है?

गोबरधनदास : अन्धेर नगरी चौपट्ट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।

महंत : तो बच्चा! ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर ही खाजा हो।

प्रश्न–2 : 'अन्धेर नगरी' नाटक वर्तमान समय में कितना प्रासंगिक है? कथन के परिप्रेक्ष्य में नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : "स्कन्दगुप्त नाटक में इतिहास और कल्पना का मणिकांचन योग है"। कथन की विवेचना कीजिए।

प्रश्न–4 : 'स्कन्दगुप्त' नाटक की नायिका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–6 : 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर– 2026

M.A. III SEM HINDI

द्वितीय प्रश्न पत्र–.निर्गुण काव्य

पूर्णांक– 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न है। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न)। प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड– क

प्रश्न– 1 निम्नलिखित पंद्याश की व्याख्या कीजिए ।

दुलहिनी गावहु मंगलाचार।
हम घरि आये हो राजा रामभरतार।।

तन रति करि मैं मन रति करिहौ, पंचतत बाराती।
रामदेव मोरे पांहुने आए, मैं जोबन मैभांती।।

सरीर सरोवर वेदी करिहौ, बह्मा वेद उचार।
रामदेव संग भॉवरी लैहौ, धनी–धनी भाग हमार।।

सुर तेतीसौ कौतिग आए, मुनिवर सहस अठासी।
कहै कबीर हम **ब्याही** चलै है, पुरूष एक अविनासी।।

प्रश्न– 2 ज्ञानमार्गी शाखा या निर्गुणकाव्य की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।

खण्ड– ख

प्रश्न– 3 जायसी कृत नागमति विरह–खण्ड मे वर्णित विरह की दशाओं पर प्रकाश डालिए

प्रश्न– 4 सूफी काव्य धारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड– ग

प्रश्न– 5 दादूदयाल की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न– 6 दादूदयाल के काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर–2026
एम.ए. हिन्दी– तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र– भाषा विज्ञान–I

पूर्णांकः 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न है। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न)। प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क 10

प्रश्न–1 : भाषा की परिभाषा बताते हुए, ज्ञान की अन्य शाखाओं से इसका संबंध स्थापित कीजिए।

प्रश्न–2 : रूप–विज्ञान को विस्तार से समझाइये।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : ध्वनि वर्गीकरण को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–4 : वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाओं को विस्तार से समझाइये।

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : "पालि" भाषा पर विस्तार से लेख लिखिए।

प्रश्न–6 : हिन्दी भाषा के उद्‌भव–विकास को स्पष्ट कीजिए।

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर–2026
एम.ए.– तृतीय सेमेस्टर
विषय : हिन्दी साहित्य
चतुर्थ प्रश्न–पत्र– रीतिकालीन काव्य

पूर्णांक: 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न है। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न)। प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क **10**

प्रश्न–1 : निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
सतर भौंह, रूखे बचन, करति कठिनु मनु नीठि।
कहा करौं ह्वै जाति, हरि हेरि हँसौं हीं डीठि।
वाहि–लखें लोइन लगै कौन जुवति की जोति।
जाकैं तन की छाँह–ढिग जोन्ह छाँह सी होति।

प्रश्न–2 : बिहारी की सौन्दर्य–भावना का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का विवेचन कीजिए।

प्रश्न–4 : भूषण के काव्य में शिवाजी के चरित्र–चित्रण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : 'घनानंद प्रेम की पीर का कवि है।' कथन के आधार पर घनानंद की विरहानुभूति को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न–6 : घनानंद के काव्य की विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर–2026
एम.ए. हिन्दी– तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न–पत्र विशिष्ट अध्ययन–1 तुलसीदास

पूर्णांकः 30

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न है। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न)। प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–क 10

प्रश्न–1 : **निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–**

इहाँ भानुकुल कमल दिवाकर। कपिन्ह देखावत नगरमनोहर।।
सुनु कपीस अंगद लंकेसा। पावन पुरी रूचिर यह देसा।।
जद्यपि सब बैकुंठ बखाना। बेद पुरान बिदित जगु जाना।
अवधपुरी सम प्रियनहिं सोऊ। यह प्रसंग जानइ कोउ कोऊ।।

प्रश्न–2 : 'रामचरितमानस' विराट समन्वय की चेष्टा का काव्य है। सिद्ध कीजिए।

खण्ड–ख 10

प्रश्न–3 : गोस्वामी तुलसीदास कृत 'विनय पत्रिका' में वर्णित तुलसी के दर्शन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–4 : तुलसीकृत 'विनय पत्रिका' के काव्य–सौन्दर्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

खण्ड–ग 10

प्रश्न–5 : 'विनय पत्रिका' में वर्णित तुलसी की भक्ति–भावना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–6 : 'रामचरितमानस' भक्तों के कण्ठों का हार है। स्पष्ट कीजिए।

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE. JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य अक्टूबर -2026

M.A.III Semester

पंचम प्रश्न पत्र :- विशिष्ट अध्ययन - 2 प्रेमचन्द

पूर्णांक-30

नोट:- प्रत्येक खण्ड में दो प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न)। प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड -क

प्रश्न - 1 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

> लज्जा अत्यंत निर्लज्ज होती है। अंतिम काल में भी जब हम समझते हैं कि उसकी उल्टी साँसें चल रही हैं, वह सहसा चैतन्य हो जाती है और पहले से भी अधिक कर्तव्यशील हो जाती है। हम दुरावस्था में पड़कर किसी मित्र से सहायता की याचना करने को घर से निकलते हैं लेकिन मित्र से आँखें चार होते ही लज्जा हमारे सामने आकर खड़ी हो जाती है और हम इधर-उधर की बातें करके लौट आते हैं यहाँ तक कि हम एक शब्द भी ऐसा मुँह से नहीं निकालते, जिसका भाव हमारी अंतर्वेदना का द्योतक हो।

प्रश्न -2 सूरदास के चरित्र के माध्यम से प्रेमचन्द ने प्रतिरोध और जनसंघर्ष की चेतना को किस प्रकार अभिव्यक्त किया है? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड -ख

प्रश्न -3 प्रेमचन्द द्वारा लिखित निबंध 'साहित्य के उद्देश्य' पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न -4 उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - ग

प्रश्न -5 प्रेमचन्द के उपन्यासों में मध्यवर्गीय समाज की समस्याओं और अंतर्विरोधों का आलोचनात्मक उत्तर दीजिए।

प्रश्न -6 प्रेमचन्द के कथा-साहित्य में ग्रामीण जीवन के चित्रण का समीक्षात्मक उत्तर दीजिए।